



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

[Handwritten signature]
15/9/80

सं० 416]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 6, 1980/भाद्र 15, 1902

No.416]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 6, 1980/BHADRA 15, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आवेश

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1980

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 6th September, 1980

का० आ० 755(अ).—केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पुनर्निर्माण (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 481(अ)/18कक/आई० डी० आर० ए०/75, तारीख 8 सितम्बर, 1975 (जिसे इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) में से सैन रेल लिमिटेड, कलकत्ता, नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उस आदेश में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निष्कास द्वारा 8 सितम्बर 1980, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तक की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था;

और, केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निष्कास द्वारा उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, 7 सितम्बर 1981, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहे;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त आदेश 7 सितम्बर 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

[फा० सं० 2(21)/75-सी०यू० एस०]

670 GI/80.

(1385)

S.O. 755(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. 481(E)/18AA/IDRA/75 dated the 8th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Sen-Kaleigh Limited, Calcutta had been taken over by the body of persons referred to in the said Order for a period of five years upto and inclusive of 7th September, 1980;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981.

[F. No. 2(21)/75-cus.]

का० आ० 756(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पुनर्निर्माण (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 485(अ)/18कक/आई० डी० आर० ए०/75, तारीख 8 सितम्बर, 1975 (जिसे इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) में से

एनसिलरी इण्डस्ट्रीज (ग्रेन्स) प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता, नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उस आदेश में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय द्वारा 8 सितम्बर 1980, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तक की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था;

और, केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय द्वारा उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, 7 सितम्बर 1981, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहे;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त आदेश 7 सितम्बर 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

[फा० सं० 2(27)/75-सी०यू०एम०]

S.O. 756(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. 485(E)/18AA/IDRA/75, dated the 8th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Ancillary Industries (Cranks) Private Limited, Calcutta had been taken over by the body of persons referred to in the said Order for a period of five years upto and inclusive of 7th September, 1980;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981.

[F. No. 2(27)/75-CUS.]

फा० आ० 757(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० फा० आ० 482(अ)/18कक/आई० डी० आर० ए०/75, तारीख 8 सितम्बर, 1975 (जिसे इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) मैसर्स एनसिलरी इण्डस्ट्रीज (लुग्स) प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता, नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उस आदेश में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय द्वारा 8 सितम्बर 1980, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तक की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था;

और, केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय द्वारा उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, 7 सितम्बर 1981, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहे;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त आदेश 7 सितम्बर 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

[फा० सं० 2(28)/75-सी०यू०एम०]

S.O. 757(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. 482(E)/18AA/IDRA/75 dated the 8th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Ancillary Industries (Lugs) Private

Limited, Calcutta, had been taken over by the body of persons referred to in the said Order for a period of five years upto and inclusive of 7th September, 1980;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981.

[F. No. 2(28)/75-CUS.]

फा० आ० 758(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० फा० आ० 484(अ)/18 कक/आई० डी० आर० ए०/75, तारीख 8 सितम्बर, 1975 (जिसे इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) मैसर्स इनसिलरी इण्डस्ट्रीज (फॉर्जिंग्स) प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उस आदेश में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय द्वारा 8 सितम्बर 1980, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तक की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था;

और, केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय द्वारा उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, 7 सितम्बर 1981, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहे;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त आदेश 7 सितम्बर 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

[फा० सं० 2(29)/75-सी०यू०एम०]

S.O. 758(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. 484(E)/18AA/IDRA/75, dated the 8th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Ancillary Industries (Forgings) Private Limited, Calcutta, had been taken over by the body of persons referred to in the said Order for a period of five years upto and inclusive of 7th September, 1980 ;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981.

[F. No. 2(29)/75-CUS.]

फा० आ० 759(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० फा० आ० 483(अ)/18कक/आई० डी० आर० ए०/75, तारीख 8 सितम्बर, 1975 (जिसे इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) मैसर्स सेन एण्ड पंडित इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, कलकत्ता, नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उस आदेश में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय द्वारा 8 सितम्बर 1980, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तक की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था;

और, केन्द्रीय सरकार भी गाय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय द्वारा उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, 7 सितम्बर 1981, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहे;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त आदेश 7 सितम्बर 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

[फा० सं० 2(30)/75-सी०यू०एस०]

बी० राय, संयुक्त सचिव

S.O. 759(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. 483 (E)/18AA/

IDRA/75 dated the 8th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Sen & Pandit Industries Limited, Calcutta had been taken over by the body of persons referred to in the said Order for a period of five years upto and inclusive of 7th September, 1980;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981.

[F. No. 2(30)/75-CUS.]

B. ROY, Jt. Secy.

